सवाला बालमान के, जवाब डॉ. कलाम के

1. **यदि आप इन प्रश्नकर्ताओ मै होते तो आप कौन-कौन से प्रश्न पूछते** ?

- दे श में सबसाधन सुलभ होने पर भी अभी तक हम विकसित राष्ट्रों की श्रे णीमें क्यों नहीं आए है ?
- हमारे दे शमें बरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ती क्यों झा रही है ?
- कही-कही बहुमझिला मकान बन झाने पर अवै धबताया झाटा है | जब उसका निर्मा णहो रहा था तब क्या वह अवै धनहीं था ?
- विदे शीबैं कोमें जमा काला धन भारत लाने में सरकार अक्षम क्यों है ?

2. **पढ़े हुआ से देखा हुआ ज्यादा याद रह झाटा है | क्यों** ?

- दे खेहुए दृश्य का चित्र मस्तिष्क में ज्यो का त्यों अं कितहो जाता है | पढने से के वलमन में काल्पनिक चित्र बनता है | कल्पना में वह सच्चाई नहीं होती जो यथार्थ में होती है | इसलिए पढ़े हुए से दे खाडे रातक याद रह झाटा है |

3. **भाषा के विषय में डॉ.कलाम ने क्या बतया** ?

- डॉ.कलाम ने माध्यमिक शिक्षा की पढ़ाई मातृभाषा में की थी | कॉले जऔर आगे की शिक्षा में उनकी पढ़ाई का माध्यम अग्रे जीभाषा थी | कलाम के विचार से कॉले जकी पढ़ाई भी मातृभाषा के माध्यम से होनी चाहिए | इसका कारण यह है की विधार्थी अपनी मातृभाषा में ही सोचता है | इसलिए मातृभाषा में ही अपनी बात आसानी से प्रकट कर सकता है | फ़िर भी विश्व के दूसरे दे शोसे सं पर्कक्कायम करने के लिए वे अग्रे जीका ज्ञान आवश्यक मानते है ?

4. बचपन में हमें किस भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए ? मातृभाषा को या अग्रेजी को ? क्यों ?

- बचपन में हमें मातृभाषा को महत्व दे नाचाहिए |
- मातृभाषा माँ की भाषा है | माता की गोद में हम उसी में सोचना विचरने की भाषा ही महारी अभिव्यक्ति की भाषा हो सकती है | मातृभाषा में हम अपने हृदय मन के भावो को सरल और प्रभावी ढं गसे प्रकट कर सकते है | इसलिए बचपन में हमें मातृभाषा को ही महत्व दे नाचाहिए |
- अग्रे जीविदे शीभाषा है | उसे पढने-सीखने में बहुत प्रयत्न करना पडता हे | उसमे प्रवीण होने पर भी अपने हृदय के भाव हम उसमे असरकारक ढग से प्रकट नहीं करा सकते | इसलिए अग्रे जी भाषा का स्थान नहीं ले सकती |

5. अनुमान जगाओ की तुम २०२० में हो | अपने आसपास क्या देखा रहे हो ? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए |

- सन २०२० में मैं दे खारहा हु की चारो और हरियाली है | पिछले वर्षो में वृक्षारोपण की प्रवृति में टे कजीआने से यह सभव हुआ है | मे रेसामने की सड़क पर हरे-भरे पे ड़फुलो से लड़े हुए खड़े है | सड़क खूब चौड़ी और साफ़ सुथरी है | लोग चीजे खरीदने के लिए माल में झा रहेसड़कोंको पर रिक्शे काम हो गए है | कारो की सं ख्याबढ़ा गई है | इनमे भी छोटी कारो ज्यादा है | पे ट्रोल पापा बहुत व्यस्त है | क्लायओवर पर वाहनो का रे लादे खनेमें बहुत अच्छा लगाया है | लडकिया फर्रा टेसे दुपहिया वाहनो पर आ-झा रही है | नुक्कड़ पर कोई बे कारखड़ा हुआ नहीं शीखता | पहा दो होटल है | इस समय दोनों होटल खचाखच भरे ुह | एक होटल में एक रोबोट बै रेका कायम करा रहा है |

6. चिराग जैन डॉ.कलाम से क्या पूछा ?

- चिराग जै नने पूछा था की आझ दे शके सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है ? डॉ.कलाम ने उत्तर दिया की भारत को सान २०२० तक एक विकसित राष्ट्र बनाना और दे श के एक अरब से अधिक नागरिको को सुखी बनाना ही आज दे श के सामने सबसे बुड़ी ती है|

7. राष्ट्र विकास में महिलाओ का क्या योगदान है ?

- राष्ट्र-विकास में महिलाओ की भूमिका पुरुषो के समान ही है | शै क्षिकऔर औद्योगिक प्रवृतियों में आजः महिलाए बढ-चढ़कर हिस्सा ले रही है| सशस्त्र से नाओमें भी पुरुषो के समान ही महिलाओ की भी नियुक्यि होती है | दे शकी तीनो से नाओमें पर्या प्तमहिला अधिकारी है | से ना के विभिन्न उपकरण बनाने में भी महिलाए काम करा रही है | इस प्रकार राष्ट्र-विकास में महिलाओ का बहुमूल्य योददाना है |

8. किसी भी देश के लिए सेना का क्या महत्व है ?

- से नाकिसी भी दे शका अनिवार्य आगा है ?से नाशत्रुओ के आक्रमण से दे शकी रक्षा करती है | दे शमें कही विद्रोह होने पर से नाउसे दबाती है | दे शमें आतकवादी आए हो और पुलिस उनसे निपटने में समक्ष अ हो तो से नाके जवान ही उनसे निपटाते है | दे शमें भीषण बाढ़ या भूकप आया हो तो से नासा^कट में पड़े लोगो को सहायता करती है | इस प्रकार बाहरी या भीतरी सकत में से नाही दे शवासियोकी रक्षा करती है |

9. मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

जी तोड़ मे हनतकरना

महारत हासिल करना

(१) **जी तोड़ मेहनत करना** - बहुत महे नतकरना

- यहाँ धधा जमाने के लिए मुझे जी तोडा के महे नतकरनी [अड़े गी|

(२) **महारत हासिल करना** - योग्यता प्राप्त करना

- हमें हरे कमुसीबत को जीतने में आवश्यक महारत हासिल कर ले नीचाहिए |

10. रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए :

एक ब्राहमण स्त्री - नेवला पालना - पानी भरने को बाहर जाना - लौटने पर नेवले का मुँह खून से भरा देखना - बच्चे की हत्या की शंका - नेवले पर घड़ा पटकना - बच्चे को जिन्दा पाना - पास ही मरा हुआ साँप पाना - पछतावा - सीख।

- अविचार का परिणाम किसी गाव के बाहर स्वच्छ पानी का एक नाला बहता था | नाले से थोड़ी दुर पर ही एक घर था | उसमइ एक छोटासा ब्रामणका परिवार रहता था | ब्रामणी ने एक ने वला पाला रखा था | ने वलाजितना हट्टा-कट्टा था, उतना ही स्वाभिभक्ति भी था |
- एक दिन ब्रामणी नाले से पानी भरने के लिए बाहर गई | घर में उसका छोटा बच्चा अबिक्ला था | वह पालने मेंसो रहा था | ब्रामणी ने ने वलेको समाज्ञाता था की वह बच्चे का ध्यान रखे | उसी समय एक साप घर में घुसा आपा | वह पालने में सोए हुए बच्चे की ओर जाने लगा | ने वलाआप को दे खतेही ते जीसे दौड़ा उर आप पर टूट पड़ा | आप को मारकर वह घर से बाहर आपा |
- उसी समय ब्रामणी पानी भरकर ले ती| उसने दुर से ने वलेका कहना से लथपथ मुह दे खा| उसने सोचा की उसकी गईरहाजिरी में ने वलेने उसके बच्चे को मार डाला है | वह एकदम आप से बाहर हो गई | उसने पानी से भरा घड़ा ने वलेपर पताका | ने वलावागी ढे रहो गया | भ्रामणी जब घर के भीतर पहुं चीतो उसने दे खाकी उसका बच्चा चै नसे सो रहा था | उसके पालने के पास मरा हुआ सपा पड़ा था | यहाँ दे खकरब्रामणी सारी बात समझ गई | अपने बालक को बचाने वाले ने वलेको मार डालने का उसे बड़ा दू:खा हुआ |
- सीखा : बिना सोचे-समझे कोई काम करने से पछताना पडता है |